an>

Title: Need to address the problem of unemployment in the country.

श्री हरीश मीना (दौसा) ः देश के युवाओं में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, बेरोज़गारी की दर लगातार नई ऊंचाई को छूती रही है। अगर यही स्थिति रही तो 65 प्रतिशत युवाओं के देश में यह समस्या बहुत ज्यादा खतरनाक रूप ले सकती है।

अभी हाल ही में हमारे देश में वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष ने वर्ल्ड बैंक द्वारा किए गए एक अनुसंधान का संदर्भ देते हुए बताया कि भारत के स्वचालन से 69 प्रतिशत नौकरियों का खतरा है, जिसके लिए सरकार को अभी से कदम उठाने चाहिए।

नेशनल सैंपल सर्वे ऑर्गेनाइजेशन (एन.एस.एस.ओ.) की 2014 की रिपोर्ट के अनुसार कृषि क्षेत्र लगभग 53 प्रतिशत रोजगार प्रदान करता है। जबकि सरकारी नौकरी केवल 2 प्रतिशत तथा निजी क्षेत्र लगभग 34 प्रतिशत व बाकी क्षेत्र 9 प्रतिशत व्यवसाय रोज़गार प्रदान करते हैं।

कृषि जो 53 प्रतिशत रोज़गार प्रदान करता है उस रोजगार में कब बे-मौसम बारिश, ओले या सूखा पड़ जाये कोई नहीं जानता। केवल कृषि पर निर्भर रहना मुश्किल होता जा रहा है। हर वर्ष लाखों किसान आत्महत्या या पलायन करते हैं। कृषि की इस स्थिति को देखकर युवा, कृषि क्षेत्र को रोज़गार का साधन बनाने में संकोच करते हैं। सरकार को कृषि पर जोर देना चाहिए जिससे युवा कृषि की तरफ अग्रसर हो।

देश में औद्योगिक विकास भी जरूरी है, औद्योगिक विकास से हम विकसित देशों में शामिल हो सकते हैं। सरकारों को न केवल स्किल डेवलपमेंट पर जोर देना होगा बल्कि युवाओं को भरोसा दिलाना होगा कि सरकार उन्हें रोज़गार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी नौकरी एक व्यवस्थित जीवन प्रदान करती है इसीलिए ज्यादातर युवा इसके पीछे है।

देश में लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, लेकिन पुरूषों के मुकाबले महिलाएं काफी पीछे हैं। ऐसे में उनको आगे करने के लिए आरक्षण मिलना चाहिए। ताकि वो भी रोजगार पाकर बेहतर समाज और विकसित देश के निर्माण में मजबूती के साथ हाथ बटा सकें।

अंत में, मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि वे युवाओं को बेहतर रोजगार दिलाने के लिए अधिक से अधिक मौके उपलब्ध करवाएँ